Civil Services (Main) Examination, 2026

KVMS–B–ECS

अर्थशास्त्र (प्रश्न-पत्र–II)

निर्धारित समय : तीन घण्टे

अधिकतम अंक : 250

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(उत्तर देने के पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को कृपया सावधानीपूर्वक पढ़िए)

इसमें **आठ** प्रश्न हैं, जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेजी** दोनों में छपे हुए हैं।

परीक्षार्थी को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू० सी० ए०) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों की शब्द-सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, को माना जाना चाहिए तथा यदि उत्तर की शब्द-सीमा मान्य सीमा से ज्यादा अधिक अथवा ज्यादा कम हो, तो अंकों में कटौती की जा सकती है।

जहाँ आवश्यक हो, आलेख/चित्र उत्तर के लिए दिए गए स्थान में ही दर्शाइए।

प्रश्नों के प्रयासों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। आंशिक रूप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा नहीं गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

ECONOMICS (PAPER–II)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

There are EIGHT questions divided in two Sections and printed both in HINDI and in ENGLISH.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Question Nos. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, THREE are to be attempted choosing at least ONE question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to and if answered in much longer or shorter than the prescribed length, marks may be deducted.

Graphs/Illustrations, wherever required, may be drawn/given in the space provided for answering the question itself.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड—A / SECTION—A

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग *150* शब्दों में दीजिए :

Answer the following questions in about *150* words each : 10×5=50

(a) दादाभाई नौरोजी द्वारा प्रतिपादित 'निकास सिद्धान्त (drain theory)' का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। इसने औपनिवेशिक भारत में गरीबी के मूल कारण को कैसे समझाया?

Critically examine the 'drain theory' as propounded by Dadabhai Naoroji. How did it explain the root cause of poverty in colonial India?

(b) ''ब्रिटिश भारत में कृषि का व्यवसायीकरण एक स्वैच्छिक प्रक्रिया के बजाय एक बाध्यकारी प्रक्रिया थी।'' नकदी फसल जैसे नील के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।

"Commercialization of agriculture in British India was a forced process rather than a natural one." Elucidate with reference to cash crops like indigo.

(c) मध्यस्थों के उन्मूलन के संदर्भ में, स्वातंत्र्योत्तर भारत में भूमि-स्वामित्व व्यवस्था सुधारों की प्रभावशीलता का आकलन कीजिए।

Assess the efficacy of land tenurial system reforms in post-Independent India in addressing intermediary abolition.

(d) ''हरित क्रांति ने खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की, परन्तु क्षेत्रीय असमानताओं को बढ़ावा दिया।'' अपने विचार लिखिए।

"The Green Revolution ensured food security but exacerbated regional disparities." Give your views.

(e) भारत में गरीबी मापन की कौन-कौन सी विधियाँ हैं? आपके अनुसार कौन-सी विधि सर्वाधिक उपयुक्त है और क्यों?

What are the different methods of measurement of poverty in India? Which one do you think is most appropriate and why?

2. *(a)* स्वातंत्र्योत्तर भारत में भूमि सुधारों की सफलता का मूल्यांकन कीजिए। यह सफलता कतिपय राज्यों तक ही क्यों सीमित रही जबकि अन्यों में अविद्यमान रही? भूमि सुधारों को व्यापक कृषि परिवर्तन से जोड़कर समझाइए।

Evaluate the success of land reforms in post-Independent India. Why was the success limited in certain States while non-existent in others? Link land reforms to the broader agricultural transformation and explain. 20

(b) भारतीय कृषि में हरित क्रांति तथा पूँजी-निर्माण के बीच सम्बन्ध का विश्लेषण कीजिए। क्या इस रणनीति-प्रेरित संवृद्धि का लाभ छोटे तथा सीमान्त किसानों तक रिसाव प्रभाव के रूप में पहुँचा है?

Analyze the relationship between the Green Revolution and capital formation in Indian agriculture. Did this strategy-led growth trickle down to small and marginal farmers? 15

(c) भारतीय आर्थिक योजना और विकास रणनीतियों के संदर्भ में, डी० आर० गाडगिल तथा वी० के० आर० वी० राव के आर्थिक विचारों की तुलना एवं अंतर कीजिए।

Compare and contrast the economic thoughts of D. R. Gadgil and V. K. R. V. Rao regarding Indian economic planning and development strategies. 15

3. (a) नेहरू के 'महालनोबिस रणनीति' मॉडल से लेकर उदारीकरण काल तक भारत की औद्योगिक नीति की यात्रा का विवरण दीजिए। किस प्रकार राज्य तथा भारी उद्योगों की भूमिका से ध्यान हट गया?

Trace the trajectory of India's industrial policy from the Nehruvian model of 'Mahalanobis Strategy' to the liberalization era. How has the focus shifted regarding the role of the State and heavy industries? 20

(b) स्वतंत्रता के उपरान्त, भारत में राष्ट्रीय आय की प्रवृत्तियों का विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए। सकल घरेलू उत्पाद (GDP) की क्षेत्रीय संरचना में हुए संरचनात्मक परिवर्तनों की विवेचना कीजिए।

Provide a detailed analysis of the trends in National Income in India since Independence. Discuss the structural changes in the sectoral composition of GDP. 15

(c) औपनिवेशिक भारत में अहस्तक्षेप (laissez-faire) सिद्धान्त के अनुप्रयोग पर चर्चा कीजिए। राष्ट्रवादी अर्थशास्त्रियों ने इस नीति की आलोचना उद्योगीकरण के विरुद्ध उपकरण के रूप में क्यों की?

Discuss the application of laissez-faire theory in colonial India. Why did the nationalist economists criticize this policy as a tool for deindustrialization? 15

4. *(a)* औद्योगिक नीति प्रस्तावों (Industrial Policy Resolutions) से लेकर वर्ष 1991 के सुधारों तक भारत के औद्योगिक विकास में सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों के बीच बहस के विकासक्रम की प्रस्तुति कीजिए।

Trace the evolution of the debate between the public and private sectors in India's industrial development from the Industrial Policy Resolutions to the 1991 reforms. 20

(b) वर्ष 1947–1991 के मध्य लघु एवं कुटीर उद्योगों के महत्त्व की विवेचना कीजिए। उपर्युक्त काल-खण्ड में इन उद्योगों को बढ़ावा देने में भारत के राज्यों की क्या भूमिका रही है?

Discuss the significance of small-scale and cottage industries during 1947–1991. What role did Indian States play during the above period in facilitating these industries? 15

(c) "भारत में रेलवे आधुनिक उद्योगों को सुगम बनाने में अग्रदूत था।" विवेचना कीजिए। भारत के आर्थिक विकास में रेलवे की भूमिका का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

"Railways in India were the forerunner in facilitating modern industries." Discuss. Critically analyze the role of railways in the economic development of India. 15

खण्ड—B / SECTION—B

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग *150* शब्दों में दीजिए :
Answer the following questions in about *150* words each : 10×5=50

(a) भारतीय औषधीय क्षेत्र में जेनेरिक दवाओं की कीमत एवं उपलब्धता पर TRIPS समझौते (TRIPS Agreement) के प्रभाव का विश्लेषण कीजिए।

Analyze the impact of the TRIPS Agreement on the pricing and availability of generic drugs in the Indian pharmaceutical sector.

(b) चालू खाता एवं पूँजी खाता की परिवर्तनीयता में अंतर स्पष्ट कीजिए। भारत पूँजी खाता की पूर्ण परिवर्तनीयता के प्रति सावधान क्यों रहता है?

Distinguish between current account and capital account convertibility. Why has India been cautious regarding full capital account convertibility?

(c) राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन अधिनियम, 2003 (FRBM Act, 2003) के मुख्य उद्देश्यों को समझाइए। क्या यह सफल रहा है?

Explain the core objectives of the Fiscal Responsibility and Budget Management (FRBM) Act, 2003. Has it been successful?

(d) एक मौद्रिक प्राधिकरण के रूप में, भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) की भूमिका स्थिरीकरण नीति से मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण में कैसे परिवर्तित हो गई? समझाइए।

How has the role of the Reserve Bank of India (RBI) shifted from stabilization policy to inflation targeting as a monetary authority? Explain.

(e) भारत में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT) योजना अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने में कहाँ तक सफल रही है?

How far is the Direct Benefit Transfer (DBT) scheme in India successful in achieving its objectives?

6. (a) भारतीय कॉर्पोरेट क्षेत्र पर नई आर्थिक नीति के प्रभाव का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। निजीकरण, विदेशी प्रत्यक्ष विनियोग (FDI) में उछाल तथा बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के आगमन से घरेलू उद्योग पर इसके प्रभावों की विवेचना कीजिए।

Critically examine the impact of the New Economic Policy on the Indian corporate sector. Discuss its effects on privatization, the surge in FDI, and the domestic industry with the entry of multinational corporations. 20

(b) विशेष रूप से खाद्य सुरक्षा, उपदान तथा बाजार पहुँच के संदर्भ में, भारतीय कृषि पर विश्व व्यापार संगठन के समझौतों के प्रभावों का परीक्षण कीजिए।

Examine the implications of the WTO agreements on Indian agriculture with special reference to food security, subsidies and market access. 15

(c) भारत में संकेतात्मक योजना की इसके उद्देश्यों के साथ विस्तार से व्याख्या कीजिए। इस नये ढाँचे में, नीति (NITI) आयोग क्या भूमिका अदा करता है?

Elaborate on the indicative planning in India with its objectives. What role does the NITI Aayog play in this new framework? 15

7. *(a)* ''आर्थिक विकास रोजगार सृजन के बिना अर्थहीन है।'' अपने विचार दीजिए। भारत में सुधार के बाद की अवधि में देखी गई 'रोजगारविहीन विकास' की प्रवृत्ति तथा इसके गरीबी एवं सामाजिक क्षेत्र के परिणामों पर प्रभाव का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

"Economic development without employment generation is meaningless." Give your views. Critically analyze the phenomenon of 'jobless growth' in India in post-reform period, and its impact on poverty and social sector outcomes. 20

(b) भारत में राजकोषीय संघवाद की संरचना की विवेचना कीजिए। क्रमिक वित्त आयोगों ने ऊर्ध्वाधर एवं क्षैतिज वित्तीय असंतुलनों को दूर करने का प्रयास कैसे किया है?

Discuss the structure of fiscal federalism in India. How have successive Finance Commissions tried to address the vertical and horizontal fiscal imbalances? 15

(c) आर्थिक सुधारों ने भारत की औद्योगिक रणनीति में एक मौलिक परिवर्तन किया। इस संदर्भ में, अविनियमन (deregulation), लाइसेंस प्रणाली की समाप्ति (delicensing) तथा इनके औद्योगिक दक्षता पर प्रभाव की चर्चा कीजिए।

The economic reforms marked a paradigm shift in India's industrial strategy. In this context, discuss deregulation, delicensing, and their impact on industrial efficiency. 15

8. *(a)* विश्व व्यापार संगठन (WTO) के अंतर्गत बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR) व्यवस्था को समझाइए। भारत की व्यापार नीति एवं घरेलू विनियमनों पर TRIPS और GATS के विशिष्ट प्रभावों की विवेचना कीजिए।

Explain the Intellectual Property Rights (IPR) regime under the WTO. Discuss the specific implications of TRIPS and GATS on India's trade policy and domestic regulations. 20

(b) 1991 के बाद भारत की विनिमय दर व्यवस्था का विश्लेषण कीजिए। बाजार-निर्धारित विनिमय दरों की ओर झुकाव तथा अस्थिर पूँजी प्रवाह के प्रबंधन पर विवेचना कीजिए।

Analyze India's exchange rate regime post-1991. Discuss the move towards market-determined exchange rates, and the management of volatile capital flows. 15

(c) समझाइए कि किस प्रकार विकेन्द्रीकृत नियोजन भारत के समावेशी विकास में सहायक हो सकता है। इस संदर्भ में, 73वें एवं 74वें संविधान संशोधनों की भूमिका को समझाइए।

Discuss how decentralized planning may lead to inclusive growth in India. In this context, explain the role of 73rd and 74th constitutional amendments. 15

★★★